अणुव्रत नैतिक गीत गायन प्रतियोगिता २०२० हेतु चयनित गीत

अणुव्रत गीत

रचनाकार - आचार्य तुलसी

संयम मय जीवन हो।
नैतिकता की सुर-सरिता में जन-जन मन पावन हो ।
संयम मय जीवन हो ।।

अपने से अपना अनुशासन अणुव्रत की परिभाषा ।
वर्ण, जाति या सम्प्रदाय से मुक्त धर्म की भाषा ।
छोटे-छोटे संकल्पों से मानस परिवर्तन हो ।
संयम मय जीवन हो ।।१।।

मैत्री-भाव हमारा सबसे प्रतिदिन बढ़ता जाए ।
समता, सह-अस्तित्व, समन्वय-नीति सफलता पाए ।
शुद्ध साध्य के लिए नियोजित मात्र शुद्ध साधन हो ।
संयम मय जीवन हो ।।२।।

विद्यार्थी या शिक्षक हो मजदूर और व्यापारी ।
नर हो नारी बने नीतिमय जीवन-चर्या सारी ।
कथनी-करनी की समानता में गतिशील चरण हो ।
संयम मय जीवन हो ।।३।।

प्रभु बन कर के ही हम प्रभु की पूजा कर सकते हैं ।
प्रामाणिक बनकर ही संकट सागर तर सकते हैं ।
शौर्य-वीर्य बलवती अहिंसा ही जीवन-दर्शन हो ।
संयम मय जीवन हो ।।४।।

सुधरे व्यक्ति, समाज व्यक्ति से, राष्ट्र स्वयं सुधरेगा ।
तुलसी अणुव्रत सिंहनाद सारे जग में प्रसरेगा ।
मानवीय आचार-संहिता में अर्पित तन-मन हो ।
संयम मय जीवन हो ।।५।।

लय - मेरा जीवन कोरा कागज...